



DCU-1901100101030502 Seat No. \_\_\_\_\_

**B. A. (Sem. III) (CBCS) (WEF-2019) Examination**

**August - 2022**

**Sanskrit : Paper-5 (Op.)**

**(Pratignayogandharayan Bhaskrut)**

**(Core) (New Course)**

Time :  $2\frac{1}{2}$  Hours]

[Total Marks : 70

**सूचना / Instructions :**

- (१) कोष्ठपक्ष पांच प्रश्नोंना उत्तर आपो.  
(1) Answer any five questions.  
(२) બધા જ પ્રશ્નોના ગુણ સરખા છે.  
(2) All questions carry equal marks.

१ श्लोकोनुं भाषांतर करो :

१४

1 Make Translation :

14

- (१) रिपुनगरे वा बन्धने वा वने वा  
समुपगतविनाशः प्रेत्य वा तुल्यनिष्ठम् ।  
जितमिति कृतबुद्धिं वञ्चयित्वा नृपं तं  
पुनरधिगतराज्यः पार्श्वतः श्लाघनीयम् ॥
- (२) श्रुतिसुखमधुरा स्वभावरक्ता  
करजमुखोल्लिखिताग्रधृष्टतन्त्री  
ऋषिवचनगतेव मन्त्रविद्या  
गजहृदयानि बलाद्वशी करोति ॥
- (३) यदि तां चैव तं चैव तां चैवायतलोचनाम् ।  
नाहरामि नृपं चैव नास्मि योगन्धरायणः ॥
- (४) वैरं भयं परिभवं च समं विहाय  
कृत्वा नयैश्च विनयैश्च शरैश्च कर्म ।  
शत्रोः श्रियं च सुहृदामयशश्च हित्वा  
प्राप्तो जयश्च नृपतिश्च महांश्च शब्दः ॥

|    |   |    |
|----|---|----|
| २  | संदर्भ सभजवो :  | १४ |
| 2  | Reference to context :  | 14 |
|    | (१) महत्तरेण स्नेहेनार्यमुपतिष्ठे ।                             |    |
|    | (२) योगंधरायणं प्रेक्षस्व ।                                     |    |
|    | (३) पतिरेवैनां शिक्षयिष्यति ।                                   |    |
|    | (४) ततो विमुक्तो स्वशरीररक्षणे यशः प्रदातुं सुहृदां च जीवितम् । |    |
| ३  | भासनी कृतिओ वर्णवो.   | १४ |
| 3  | Describe the works of Bhas.                                     | 14 |
| ४  | भासनी शैली वर्णवो.  | १४ |
| 4  | Discuss the style of Bhas.                                      | 14 |
| ५  | योगंधरायणानुं पात्रादेभन करो.                                   | १४ |
| 5  | Character sketch of Yogandharayan.                              | 14 |
| ६  | प्रतिज्ञायोगंधरायणानो मध्यवर्ती विचार वर्णवो.                   | १४ |
| 6  | Discuss the central ideal of 'Pratignayogandharayan.'           | 14 |
| ७  | तृतीय अंकनुं रसदर्शन करो.                                       | १४ |
| 7  | Discuss crux of third act.                                      | 14 |
| ८  | प्रद्योत महासेननुं पात्रादेभन करो.                              | १४ |
| 8  | Character sketch of Pradhyot Mahasen.                           | 14 |
| ९  | टूकनींध लपो :   | १४ |
| 9  | Write short notes :   | 14 |
|    | (१) द्वैपायन प्रसंग.  |    |
|    | (1) Story of Dwaipayan.   |    |
|    | (२) भद्रावती प्रसंग.  |    |
|    | (2) Story of Bhadravati.  |    |
| १० | टूकनींध लपो :   | १४ |
| 10 | Write short notes :   | 14 |
|    | (१) उन्मत्तक प्रसंग.  |    |
|    | (1) Story of Unmuttak.  |    |
|    | (२) प्रद्योत-अंगारवती संवाद.                                    |    |
|    | (2) Dialogues between Pradhyot-Aangaravati.                     |    |